7 मई 2018

विश्व मामलों की भारतीय परिषद्

ISSUE BRIEF

राष्ट्रपति कोविंद का जाम्बिया का दौरा:

संबंध का मूल्यांकन

*डॉनिवेदिता राय . **

राष्ट्रपति राम नाथ कोविंद ने जाम्बिया गणराज्य के राष्ट्रपति एडगर चगवा लुंगु के निमंत्रण पर 10- 12 2018 अप्रैलतक जाम्बिया की तीन दिवसीय यात्रा की। यह अफ्रीका के उनके तीन देशों के दौरे का अंतिम चरण था ,जो को इक्वेटोरियल 2018 अप्रैल 7गिनी से शुरू हुआ ,उसके बाद उन्होंने स्वाजीलैंड और फिर जाम्बिया का दौरा किया। यह यात्रा कई मायने में महत्वपूर्ण थी; क्योंकि इसका उद्देश्य मौजूदा संबंधों को मजबूत करना और सहयोग के नए रास्ते खोलना था।

भारत और जाम्बिया के बीच ऐतिहासिक रूप से सौहार्दपूर्ण संबंध रहा है ,जिसे वर्ष में शुरू 2008 किए गएभारत-अफ्रीका फोरम समिट (आईएएफएस)प्रक्रिया के तहत गहरा और विविधता ओं भरापूर बनाया गया है। सर्वोच्च स्तर पर राजनीतिक आदान प्रदान और संवादों ने इस-संबंध को मजबूती देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी ने ,1970 में तीन बार जाम्बिया का 1980 और 1976 दौरा किया था। उसके बाद राष्ट्रपति वी. वी. गिरी और एन. संजीव रेड्डी ने क्रमशः में 1981 और 1974 .में प्रधानमंत्री राजीव गांधी और राष्ट्रपति आर 1989 ;दौरा किया वेंकटरमन ने जाम्बिया का दौरा किया। तब से जाम्बिया में उच्च स्तरीय कोई यात्रा नहीं हुई थी। साल के अंतराल के बाद राष्ट्रपति कोविंद 29 की यात्रा ने सहयोग के एक नए युग की शुरूआत की। रिश्ते को नवीनीकृत करने में एक महत्वपूर्ण कदम के रूप में इसे चिह्नित किया गया ,जिसे अफ्रीका में भी भारत के सबसे मजबूत रिश्तों में से एक माना जाता है।

विकसित होते द्विपक्षीय संबंध के संदर्भ में यह यात्रा के परिणाम की संक्षिप्त जांच करता है।

यात्रा की प्रमुख विशेषताएं:

राष्ट्रपति कोविंद का राष्ट्रपति एडगर चगवा लुंगु द्वारा केनेथ कौंडा अंत ररा ष्ट्रीय हवाई अड्डे पर बहुत गर्मजोशी से स्वागत किया गया। राष्ट्रपति कोविंद ने अपनी तीन दिवसीय यात्रा के दौरान राष्ट्रपति लुंगु के साथ द्विपक्षीय बैठकें कीं जिमें उनके बीच ,द्विपक्षीय और वैश्विक मुद्दों पर व्यापक चर्चा हुई। उन्होंने आर्थिक , वाणिज्यिक ,तकनीकी ,शैक्षिक और सांस्कृतिक क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की अपनी पारस्परिक इच्छा की पुष्टि की और संयुक्त स्थायी आयोग की बैठकों जो कि में नई दिल्ली में 2005 आयोजित की गई थी ,को पुनर्जीवित करने के लिए भी उनके बीच चर्चा हुई। इसके अगले सत्र की मेजबानी जाम्बिया[i] द्वारा की जानी है।

राष्ट्रपति लुंगु ने भारत के समर्थन और ऊर्जा ,स्वास्थ्य ,बुनियादी ढांचे ,क्षमता निर्माणल कृषि , व्यापार और निवेश के क्षेत्रों में जाम्बिया[ii] के साथ विकास में साझेदारी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के लिए आभार व्यक्त किया।

राष्ट्रपति कोविंद ने जाम्बिया के तीन पूर्व राष्ट्रपतियों फ्रेडरिक चिलुबा , लेवी मवानवासा और मिकेल साटा को लुसाका के दूतावास पार्क प्रेसिडेंशियल मेमोरियल में अपनी श्रद्धांजलि अर्पि त की और पहले रिपब्लिकन राष्ट्रपति डॉ . केनेथ कौंडा से शिष्टाचार भेंट की ,जो जाम्बिया में बहुत सम्मानित शख्सियत रहे हैं और अंतरराष्ट्रीय समझ के लिए जवाहरलाल नेहरू पुरस्कार से उन्हें सम्मानित भी किया गया है। भारत से उनका विशेष लगाव रहा है और में दस बा 1967र से अधिक भारत का दौरा कर चुके हैं। डॉ. कौंडा के साथ अपनी बातचीत के दौरान भारतीय राष्ट्रपति ने प्यार ,एकता और एकता के मूल्यों को स्थापित करने के लिए उनकी प्रशंसा की ,जिसने जाम्बिया को भारत[iii] समेत अन्य देशों के साथ मधुर संबंध बनाए रखने में मदद की। भारतीय राष्ट्रपति ने जाम्बिया साथ- भारत व्यापार मंच के साथ- भारतीय समुदाय को भी संबोधित किया; और मकेनी में लुसाका सिटी रोड डि कन्जेस्टेशन परियोजना के ग्राउंड ब्रेकिंग को भी देखा।

संबंध को और मजबूत करने के लिए चार समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। (एमओयू) समझौतों मेंं आर्थिक सहयोग को और अधिक बढ़ावा देने के मद्देनजर दोहरे कराधान से बचाव को शामिल किया गया ; राजनयिक और आधिकारिक पासपोर्ट पर वीजा छूट ; न्यायिक सहयोग , जिसके परिणामस्वरूप कानून और न्याय के विकास में दीर्घकालिक और अल्पकालिक प्रशिक्षण और जाम्बिया में उद्यमिता विकास संस्थान की स्थापना ,देश में नए विचारों ,उद्यमों और स्टार्टअप को बढ़ावा देने के लिए उद्यमशीलता विकसित करने में जाम्बिया के विज़न की पुष्टि 2030की गयी।

फोकस में मुद्दे:

यात्रा के दौरान एजेंडा में जो मुद्दे मुख्य रूप से बने रहे ,वे व्यापार और निवेश संबंधों को बढ़ा रहे थे , क्षमता निर्माण ,रक्षा ,शिक्षा ,स्वास्थ्य और ऊर्जा तथा आतिथ्य क्षेत्र में सहयोग का विस्तार थे।

<u>व्यापार और निवेश को बढ़ावा देना</u>

द्विपक्षीय वार्ता के साथ ही भारतीय व्यापार समुदाय के राष्ट्रपति कोविंद और राष्ट्रपति लुंगु द्वारा संबोधित करने के दौरान द्विपक्षीय व्यापार और निवेश संबंधों को और बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। दोनों ने यह स्वीकार किया कि पिछले कुछ वर्षों में आर्थिक संबंध में पूरी ऊर्जा और गतिशीलता के बावजूद द्विपक्षीय व्यापार की जितनी संभावना थी उससे ,कम ही रही ;फिर भी भारत जाम्बिया-द्विपक्षीय व्यापार पिछले कुछ वर्षोंसे लगातार बढ़ा है और कुल व्यापार अप्रैल 2018 से जनवरी 2017 तक 1. बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंच गया है। 2व्यापार का संतुलन जाम्बिया के पक्ष में बना हुआ रहा। वर्ष 2016-237 में भारत का निर्यात 17. मिलियन 2अमेरिकी डॉलर था, जबकि आयात 743, 90 मिलियन अमेरिकी डॉलर था।भारत के लिए, जाम्बिया तांबे के स्रोत का एक महत्वपूर्ण आयात गंतव्य रहा है ,क्योंकि यह दुनिया में तांबे का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक है और पूरे विश्व में तांबे के उत्पादन का लगभग 5% उत्पादन करता है। भारतीय आयातित की वस्तुओं में मुख्य रूप से अयस्कों तांबा और) , अपेक्षाकृत कम बहुमूल्य रत्नों ,(कोबाल्टअलौह धातुओं और कच्चे कपास शामिल हैं ,जबकि निर्यातित वस्तुओं में फार्मास्यूटिकल्स, परिवहन उपकरण ,प्लास्टिक और रसायन iv शामिल हैं।

---

1 Rainbow, April 2011, http://rainbownewszambia.com/2018/04/11/edgar-chagwa-lungu-courts-indias-ram-nath-kovind/

जहां तक निवेश का संबंध है ,भारत बिलियन अमेरिकी 5 डॉलर से अधिक के निवेश के साथ जाम्बिया में शीर्ष निवेशकों में से एक है। ज्यादातर निवेश खनन क्षेत्र में है। कोंकोला कॉपर माइंस में वेदांत द्वारा लगभग , बिलियन अमेरिकी डॉलर का निवेश किया गया है 3टॉरियन मैंगनीज लिमिटेड ने सेंट्रल प्रॉविंस में सेरेन्जे जिले में मैंगनीज प्रसंस्करण संयंत्र के निर्माण में मिलियन अमेरिकी डॉलर 300 का निवेश किया है औरनवभारत वेंचर्स लिमिटेड की सहायक कंपनी नवभारत सिंगापुर लिमटेडहैदराबाद . ने मांबा कोलियरीजेज लिमिटेडमें मिलियन 108अमेरिकी डॉलर के निवेश के साथ 65% इक्विटी शेयर खरीदा है और मेगावाट का थर्मल प्लांट स्थापित किया है। अन्य क्षेत्र जहां भारतीय कंपनियों ने 330 ,निवेश किया हैवे हैं बैंकिंग ,दूरसंचार ,फार्मास्यूटिकल्स और रियल एस्टेट। इसके अलावा भारत जाम्बिया बैंकजा ,म्बिया सरकार और तीन भारतीय सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक यानी बैंक ऑफ़ इंडिया ,बैंक ऑफ बड़ौदा और सेंट्रल बैंक ऑ फ इंडिया के बीच एक संयुक्त उपक्रम शामिल है । साथ में मेसर्स एनआरबी फार्मा लिमिटेड का लुसाका में फार्मास्युटिकल प्लांट में निवेश जे ,न टेलीकॉम के अफ्रीकी व्यवसायों के अधिग्रहण भारती एयरटेल एयरटे ल ज़ाम्बिया की स्थापना की और पां च सितारा होटलों सहित रियल एस्टेट में टाटा के निवेश शामिल हैं।

स्थिर प्रगति के बावजूद जाम्बिया की भूमि का स्वरूप रुद्ध होने के कारण और सीमा पार व्यापार v के मद्देनजर माल ढुलाई संबंधी कठिनाइयों के परिणामस्वरूप लागत का बढ़ना और जाम्बिया की अर्थव्यवस्था के छोटे आकार जिसकी जीडीपी , बिलियन 22अमेरिकी डॉलर vi के बराबर है ;व्यापार और निवेश कम होने के संभावित कारण हैं । बहरहाल ,भारतीय व्यवसाय को जाम्बियन बाजार में गुंजाइशों का पता लगाने के मद्देनजर दोनों पक्षों द्वारा लगातार प्रोत्साहित किया जाता रहा है ,क्योंकि जाम्बिया में दीर्घकालिक आर्थिक संभावनाओं को पर्याप्त माना जाता है। जाम्बिया का बंदरगाह विहीन होना भी एक लाभ के रूप में देखा जाता है।

यह आठ पड़ोसी देशों से जुड़ा हुआ है ,जिसमें अंगोला ,बोत्सवाना ,डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो , मलावी ,मोजाम्बिक ,नामीबिया ,तंजानिया और जिम्बाब्वे शामिल हैं । इस प्रकार आर्थिक रूप से बहुत महत्वपूर्ण देश है ,क्योंकि यह मिलियन 400लोगों के विशाल बाजार तक अपनी पहुंच रखता है। लुसाका कोमेसा देशों (कॉमन मार्केट फॉर ईस्टर्न एंड सदर्न अफ्रीका)का मुख्यालय है और इसे सैडक सदर्न) (अफ्रीकन डेवलपमेंट कम्युनिटीजैसे कई अन्य क्षेत्रीय समूहों के साथ भी एकीकृत किया गया है। यह पूरी तरह से उदारीकृत अर्थव्यवस्था है और जाम्बिया की सातवीं राष्ट्रीय योज ना में दी गई विजन 2030के तहत अपनी अर्थव्यवस्था के विविधीकरण पर जोर देती है। vii यह अफ्रीका के बहुत कम देशों में से एक है ,जिसने सीमा पार संघर्ष के बगैर सत्ता के शांतिपूर्ण संक्रमण का गवाह रहा है।

व्यापारिक समुदाय के बीच राष्ट्रपति कोविंद ने राष्ट्रपति लुं गु के साथ अपने संयुक्त भाषण के दौरान भारतीय कंपनियों से जाम्बिया द्वारा प्रस्तावित अवसरों का लाभ उठाने का आह्वान किया। व्यापार की गुंजाइश के विस्तार की आवश्यकता पर जोर देते हुए उन्होंने सभी हितधारकों लघु और - मध्यम उद्यमों, चैंबर्स ऑफ कॉमर्स ,बड़ी कंपनियों ,नए उद्यमियों को दोतरफा यानि जाम्बिया भारत- व्यापार गलियारे में विविधता लाने और विस्तार करने के लिएप्रोत्साहित किया। viii उन्होंने स्टार्टअप्स , प्रौद्योगिकी ,दक्षताऔर नए विचारों के माध्यम से युवाओं को जोड़ने की आवश्यकता पर बल दिया और कहा कि स्किल इंडिया और डिजिटल इंडिया प्लेटफार्मों का लाभ उन्नत जाम्बिया के लिए दिया जा सकता है।ix

अपनी तरफ से राष्ट्रपति लुंगु ने सूक्ष्म ,लघु ,मध्यम उद्यमों के विकास के लिए भारतीय कंपनियों को मल्टी फैसिलिटी इकोनॉमिक ज़ोन)एसएफईजेड (में जाम्बिया के साथ भागीदा री करने के लिए प्रोत्साहित किया। व्यापार के विस्तार के संबंध में उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि भारत सरकार के ड्यूटी और कोटा फ्री योजना)डीटीक्यूएफ (के तहत वृद्धि प्राप्त और विविध व्यापार के लिए संभावनाएं तो मौजूद हैं ,जिसमें उत्पादों की एक विस्तृत श्रृंख ला शामिल है जिसका निर्यात , जाम्बिया भारत को कर सकता है। x राष्ट्रपति लुंगू ने भारतीय कंपनियों को नदोला, कॉपर बेल्ट प्रांत में जून 27 तक 2018 जुलाई 3 सेहोनेवाले वें54जाम्बिया अंत रराष्ट्रीय व्यापार मेले)जेडआईटीएफ (के लिए आमंत्रित किया जिसका थीम ,था।"निजी क्षेत्र की औद्योगिकीकरण की कुंजी" :

आर्थिक सहयोग को बढ़ावा देने के लिए भारत ने अनुदान और ऋण के रूप में काफी आर्थिक सहायता प्रदान की है। अब तक भारत ने स्वास्थ्य ,कृषि ,जल विद्युत परियोजना ,वाहन परिवहन और उपकरणों जैसे क्षेत्रों में जाम्बिया के लिए 82. मिलियन अमरीकी डालर के एलओसी की राशि 57मंजूर किया है। यात्रा के दौरान आर्थिक सहयोग को मजबूत करने के लिए राष्ट्रपति कोविंद ने महात्मा गांधी कन्वेंशन सेंटर के निर्माण के लिए रियायती वित्त प्रदान करने के माध्यम से जाम्बिया के आतिथ्य उद्योग और परामर्श पर्यटन में सहयोग की भारत सरकार की मंशा की घोषणा की।

भारत का एक और उल्लेखनीय योगदान आधारभूत संरचना के क्षेत्र में रहा है। भारत ने ज़ाम्बिया को को लुसाका शहर को सड़क बनाने के लिए मिलियन अमेरिकी डॉलर का अनुदान प्रदान किया है। 286

इस यात्रा के दौरान दोनों राष्ट्राध्यक्षों ने लुसाका सिटी रोड्स डिकॉन्जेशन प्रोजेक्ट के शिलान्यास समारोह में हिस्सा लिया। देश की राजधानी लुसाका अफ्रीका के सबसे तेजी से विकसित शहरों में से एक है। लुसाका के केंद्र में स्थित होने के साथ दक्षिण और उत्तर, पूर्व और पश्चिम के बीच यह यातायात का मार्ग भी है। लुसाका सदर्न अफ्रीकन डेवलपमेंट कम्युनिटी (एसएडीसी)में व्यापार के लिए पारगमन मार्ग भी है। यह दक्षिण से लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो और लोकतांत्रिक गणराज्य कांगो से दक्षिण का प्रवेश द्वार है। वाल्विस बे व्यापार गलियारे में से इसका रणनीतिक जुड़ाव भी है। जाम्बियाई सरकार स्थानीय और क्षेत्रीय रूप से सक्षम व्यापारिक माहौल बनाने के लिए सड़क का विकास कर रही है , xi क्योंकि व्यापार और परिवहन का केंद्र होने के कारण यह अपने रणनीतिक स्थान को आदर्श स्थिति मानता है। इस संदर्भ में भारत का योगदान काफी महत्व रखता है ,क्योंकि इस परियोजना में सहयोग क्षेत्रीय व्यापार को सुविधाजनक बनाने में योगदान होगा। लुसाका एल सड़क परियोजना के चरण दो को 400पूरा करने के अलावा भारत सरकार लुसाका शहर के सौंदर्यीकरण के उद्देश्य से सड़कों को रोशन करने ,बाईपास-बनाने ,कासी और अन्य क्षेत्रों में सड़कों निर्माण और अन्य सुविधाओं के साथ निकासी प्रणाली तैयारी करने के काम को भी पूरा करेगी। xii

<u>क्षमता निर्माण</u>

रक्षा ,स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्रों में क्षमता निर्माण से संबंधित पहल भारत और जाम्बिया के बीच विकास साझेदारी के महत्वपूर्ण पहलू रहे हैं। दोनों नेताओं के बीच बातचीत के दौरान इन क्षेत्रों में सहयोग बढ़ाने के प्रयासों पर चर्चा की गई। राष्ट्रपति लुंगु ने रक्षा के क्षेत्रों में सहयोग को पुनर्जीवित करने की इच्छा व्यक्त की और रक्षा कर्मियों के प्रशिक्षण के लिए आगे और सहयोग की मांग की। xiii यहां यह उल्लेख करना जरूरी है कि अफ्रीकी महाद्वीप के सशस्त्र बलों में भारत का सबसे करीबी संबंध जाम्बिया से है। यह स्वतंत्रता से पहले की बात है ,जब भारत ने उत्तरी रोडेशिया या पूर्व जाम्बिया में सिख / रेजिमेंट की एक बटालियनको भेजा था। में जाम्बिया को 1964आजादी मिलने के बाद उन संबंधों को मजबूती मिली। आईटीईसी प्रोग्राम के तहत भारत ने जाम्बिया के सैनिक और गैर सैनिक अधिकारियों को प्रशिक्षण दिया। कई सालों तक जाम्बिया के सशस्त्र बल के लगभग प्रतिशत ने जाम्बिया सहित 40 विभिन्न भारतीय रक्षा संस्थानों में प्रशिक्षण लिया था। xiv के दशक में कई भारतीय 1980 और 1970 सेना और वायु सेना के प्रशिक्षण दल को जाम्बिया सशस्त्र बलों के प्रशिक्षण के लिए जाम्बिया में नियुक्त 1994 किया गया था।-से 2010, एक सैन्य सलाहकार टीम को भारत ने प्रतिनियुक्त किया गया था, जिसमें जाम्बिया में रक्षा सेवा कमान और स्टाफ कॉलेज में चार अधिकारी शामिल थे। xv रक्षा साझेदारी और विशेषज्ञता और अनुभव के मामले में भारत के मजबूत आधार को देखते हुए सहयोग के पुनर्निर्माण और विस्तार करने की आवश्यकता व्यक्त की गई है ,इसलिए यह बहुत बड़ी बात थी।

स्वास्थ्य और शिक्षा जैसे अन्य क्षेत्र हैं , जहां भारत संभावना निर्माण के लिए जाम्बिया को सहायता प्रदान करता रहा है। इस यात्रा के दौरान राष्ट्रपति कोविंद ने इस क्षेत्र में सहयोग को बढ़ावा देने के लिए कई घोषणाएं कीं। शिक्षा क्षेत्र में कौशल विकास के लिए जाम्बिया ने बड़ी संख्या में आईटीईसी प्रशिक्षण कार्यक्रम और आईसीसीआर छात्रवृत्ति का लाभ उठाया है। अब तक लगभग असैनिक 2400

जाम्बियाई भारत में आईटीईसी के तहत विभिन्न विषयों में प्रशिक्षण प्राप्त कर चुके हैं।[xvi] जाम्बिया के लिए काबवे के मुलुंगुशी विश्वविद्यालय में पैन नेटवर्क- अफ्रीकन ई- प्रोजेक्ट का अगस्त में 2010 ,सफलतापूर्वक उद्घाटन किया गयाजिसमें टेली शिक्षा की सुविधा-है।

स्वास्थ्य क्षेत्र में जाम्बिया को मिलियन 50 फैब्रिकेटेड हेल्थ पोस्ट की स्थापना के लिए-प्री 650 अमेरिकी डॉलर का ऋण प्रदान किया गया है ,जिसमें से अब तक 247पूरे हो चुके हैं और जाम्बिया को सौंप दिए गए हैं। इसके अलावा, चिकित्सा पर्यटन के मामले में भारत एक पसंदीदा स्थान बन गया है , जिसके लिए जाम्बिया सरकार ने हैदराबाद के दो बहु विशिष्ट अस्पतालों अपोलो और यशोदा समूह के- अस्पतालों के साथ समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए हैं।

जाम्बिया के स्वास्थ्य और शिक्षा के क्षेत्र में विकास में और अधिक सहयोग के लिए राष्ट्रपति कोविंद की यात्रा के दौरान दवाओं और चिकित्सा उपकरणों की व्यवस्था तथा महात्मा गांधी प्राथमिक विद्यालय को पुनर्निर्माण के लिए क्रमश बिलियन डॉलर 3 :के साथ एक लाख डॉलर देने के प्रावधान की घोषणा की। क्षमता के निर्माण और प्रशिक्षण सहायता के लिए भारत ने जाम्बिया में एक उद्यमिता विकास केंद्र स्थापित करने की पेशकश की , यात्रा के दौरान इसके लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए गए। भारत को उम्मीद है कि यह केंद्र देश में नए विचारों ,उद्यमों और स्टार्टअप को बढ़ावा देगा।

ऊर्जा

ऊर्जा के मुद्दे पर दोनों पक्षों ने बिजली उत्पादन के क्षेत्रों में भारत के सहयोग के सकारात्मक प्रभाव पर चर्चा की। टाटा पावर जैसी भारतीय कंपनी ने मेगावाट की इटेजी तेज 120ही पावर परियोजना में निवेश के माध्यम से देश की बिजली की कमी को दूर करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है। मौजूदा समय में जाम्बियाई उपयोगिता जाम्बिया इलेक्ट्रिसिटी सप्लाई कॉरपोरेशन (जेडईएससीओ)के साथ इटे जी तेजही पावर कॉरपोरेशन संयुक्त उद्यम में टाटा पावर का 50प्रतिशत शेयर हैं। बिजली के अलावा राष्ट्रपति कोविंद ने ऊर्जा के बायोमास गैसी कृत स्रोत के क्षेत्र में जाम्बिया को सहायता प्रदान करने में भारत की तत्परता को जाहिर किया। उन्होंने जाम्बिया के अंत रराष्ट्रीय सोलर एलायंस फ्रेमवर्क समझौते पर हस्ताक्षर करने की भी सरा हना की , जिसका उद्देश्य सदस्य देशों में प्राथमिकता परियोजनाओं के वित्तपोषण और कार्यान्वयन के माध्यम से सौर ऊर्जा के उपयोग में तेजी लाना है।

संयुक्त राष्ट्र संघ

इन द्विपक्षीय मुद्दों के अलावा दोनों पक्षों के नेताओं ने आम मामलों के अंतरराष्ट्रीय मुद्दों पर संबंधों को आगे बढ़ाने की आवश्यकता पर जोर दिया। उन्होंने संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में तत्काल सुधार की आवश्यकता के संबंध में एक समान विचार व्यक्त किए ,जिसमें सदस्यता की दोनों श्रेणियों में इसका विस्तार शामिल है ,ताकि मौजूदा भूराजनीतिक वास्तविकताओं के ल-िए बाए गए प्रतिनिधि को प्रभावी और उत्तरदायी बनाया जाए। आतंकवाद के संकट से मुकाबला के मुद्दे पर उन्होंने अंतरराष्ट्रीय प्रयासों के

महत्व पर बल दिया और इस बात पर सहमति व्यक्त की कि आतंकवादियों और उनकी गतिविधियों के लिए सुरक्षित ठिकानों को ठोस और विश्वसनीय उपायों के माध्यम से समाप्त किया जाना चाहिए। xvii

<u>प्रवासी</u>

इस यात्रा का एक अन्य महत्वपूर्ण पहलू था राष्ट्रपति कोविंद का भारतीय समुदाय के साथ संपर्क है ,जो कि भारत सरकार के व्यापक नीतिगत पहल का हिस्सा है , जिसका विदेशी समुदाय के साथ निरंतर और सक्रिय जुड़ाव है। इसलिए संपर्क का उद्देश्य भारत में हो रहे रूपांतकारी बदलावों से समुदाय को परिचित कराना था। प्रवासी भारतीयों के साथ बातचीत का उद्देश्य संभावनाओं के साथ मंच प्रदान करना भी था , जिसके माध्यम से वे भारत के विकास में भागदारी कर सकें। xviii निस्संदेह भारतीय प्रवासियों के साथ संपर्क भारतजाम्बिया संबंध- में एक महत्वपूर्ण कारक है। भले ही यहां भारतीय प्रवासी बड़ी संख्या में नहीं बसते हैं ,जैसा कि अफ्रीका के कुछ अन्य देशों में हैं ,फिर भी मेजबान देश के विकास और समृद्धि में उनका योगदान पर्याप्त है। उन्होंने जाम्बिया की अर्थव्यवस्था में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है ,विशेष रूप से व्यापार ,उद्योग ,आतिथ्य और परिवहन क्षेत्रों में। वे बखूबी एकजुट हैं ,लेकिन उनकी सांस्कृतिक और सभ्यतागत पहचान को देखते हुए , जिसे बनाए रखने में वे सक्षम हैं ,वे दोनों देशों के लिए यह एक विरासत हैं। राष्ट्रपति कोविंद ने अपने भाषण में भारतीय समुदाय के उन सदस्यों की सराहना की , जिन्होंने भारत की प्रतिष्ठा को संवारने के साथ ही साथ अपनी सांस्कृतिक परंपराओं को जीवित रखने के अथक प्रयास किया है। एक समुदाय के रूप में, उन्होंने परस्पर जुड़े रहने और अपने मेजबान देश के लिए खुद को और भी अधिक प्रासंगिक बनाने का आग्रह दिखाया। भारत और जाम्बिया के द्विपक्षीय संबंधों को मजबूत करने के लिए यह महत्वपूर्ण है कि वे अपने सेतू निर्माण की क्षमता का अधिकतम लाभ उठाएं।

<u>निष्कर्ष</u>

राष्ट्रपति कोविंद की जाम्बिया यात्रा ने निश्चित रूप से जाम्बिया के साथ मौजूदा मजबूत द्विपक्षीय संबंधों के बीच बहुत ही आवश्यक आवेग को जोड़ा है। अन्य अफ्रीकी देशों की यात्राओं के साथ यह यात्रा - में आयोजित तीसरे भारत 2015अफ्रीका शिखर सम्मेलन (आईएएफएस)के लिए ज़ाम्बिया के साथ निरंतर बातचीत चलाते जाने की भारत की मंशा को दर्शाती है। यहां उल्लेखनीय है कि यद्यपि भारत का जाम्बिया के साथ एक ऐतिहासिक और मजबूत राजनीतिक संबंध है ,लेकिन यह भारत-अफ्रीका शिखर सम्मेलन प्रक्रिया है ,जिसने जाम्बिया के साथ भारत के संबंधों के गुणात्मक परिवर्तन की शुरुआत की है। इसने दोनों क्षेत्रों के बीच राजनीतिक समझ ,सुरक्षा सहयोग ,व्यापार और निवेश संबंध ,ऊर्जा साझेदारी, स्वास्थ्य के क्षेत्रों में सहयोग ,शिक्षा ,कृषि और प्रवासी संपर्क को बढ़ाया है। बहरहाल, अभी जिस चीज की आवश्यकता है ,वह जुड़ाव में गति को बनाए रखते हुए ,किए गए समझौतों और घोषणाओं को मजबूत करना की है। साझेदारी के विभिन्न क्षेत्रों की समीक्षा के लिए कम से कम मंत्री और आधिकारिक स्तर पर नियमित दौरे किए जा सकते हैं। समान रूप से महत्वपूर्ण बात यह है कि जाम्बिया से भी उच्च स्तरीय दौरे होंगे। जैसा कि अंतिम बार उनका भारत दौरा में जाम्बिया के उपराष्ट्रपति द्वारा 2015किया

गया था। हस्ताक्षर किए गए समझौतों को आगे बढ़ाने के मद्देनजर नका;कार्यान्वयन और विभिन्न परियोजनाओं को पूरा करने पर जोर दिया जाना है ,क्योंकि यह साझेदारी के प्रमुख मामलों में से एक है।

****

** डॉ. निवेदिता रे, निदेशक अनुसंधान, भारतीय विश्व मामलों की परिषद, नई दिल्ली।*
अस्वीकृत करनाव्यक्त किए गए विचार शोधकर्ता के होते हैं :, परिषद के नहीं।

अंत टिप्पण

_____

i MEA, http://www.mea.gov.in/media-briefings.htm?dtl/29787/Transcript_of_Media_Briefing_on_the_upcoming_visit_of_President_to_Equatorial_Guinea_Swaziland_and_Zambia

ii MEA, GOI, India- Zambia Joint Statement , http://www.mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/29815/IndiaZambia+Joint+Statement+during+State+Visit+of+President+to+Zambia+April+1012+2018

iii Times of Zambia, 12April 2018, http://allafrica.com/stories/201804120517.html

ivhttps://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Zambia_August_2017.pdf

v MEA, GOI,, http://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Zambia_Jan_2015_eng.pdf OI,

vi MEA, GOI, http://www.mea.gov.in/Portal/ForeignRelation/Zambia_Jan_2015_eng.pdf OI,

vii President's speech at Zambia- India Forum Meeting, https://www.presidentofindia.gov.in/speeches-detail.htm?483 https://www.presidentofindia.gov.in/speeches-detail.htm?483

viii MEA, GOI, India Zambia Joint Statement , http://www.mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/29815/IndiaZambia_Joint_Statement_during_State_Visit_of_President_to_Zambia_April_1012_2018

ix Speech, Zambia- India Business Forum, https://presidentofindia.nic.in/speeches-detail.htm?483

xx The Rainbow, April 11, 2018, http://rainbownewszambia.com/2018/04/11/edgar-chagwa-lungu-courts-indias-ram-nath-kovind/

xi Zambia Daily , https://www.daily-mail.co.zm/india-gives-286m-for-roads/

xii Zambia Daily Mail, https://www.daily-mail.co.zm/286m-for-decongesting-lusaka-most-welcome/

xiii MEA, GOI, India- Zambia Joint Statement, http://www.mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/29815/IndiaZambia_Joint_Statement_during_State_Visit_of_President_to_Zambia_April_1012_2018

xiv MEA, GOI, http://www.mea.gov.in/media-briefings.htm?dtl/29787/Transcript_of_Media_Briefing_on_the_upcoming_visit_of_President_to_Equatorial_Guinea_Swaziland_and_Zambia

xv Daily Nation , 12 April 2018, https://www.pressreader.com/zambia/daily-nation-newspaper/20180412/281857234118113 https://www.pressreader.com/zambia/daily-nation-

xvi MEA, GOI, http://www.mea.gov.in/portal/foreignrelation/zambia-january-2012.pdf

xvii MEA, GOI, http://mea.gov.in/bilateral-documents.htm?dtl/29815/IndiaZambia+Joint+Statement+during+State+Visit+of+President+to+Zambia+April+1012+2018

xviii President Kovind's Speech, Lusaka, April 10, 2018, https://presidentofindia.nic.in/writereaddata/Portal/Speech/Document/482/1_Speech_Lusaka_Community_Reception.pdf

xix President Kovind's Speech, Lusaka, April 10, 2018, https://presidentofindia.nic.in/writereaddata/Portal/Speech/Document/482/1_Speech_Lusaka_Community_Reception.pdf